Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

PRELIMINARY EXAMINATION: 2024-2025

CLASS: X

SUBJECT: HINDI

NAME OF STUDENT: ..... **MAX. MARKS:80**

DATE: ..... **TIME: 3 HOURS**

.....

NOTE: You will not be allowed to write during the first 15 minutes. This time is to be spent in reading the question paper. The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

This paper comprises of two Sections-Section 'A' and Section 'B'. Attempt all the questions from Section 'A'. Attempt any four questions from Section 'B'. Answering at least one question each from the two parts of the book Gadya and Kavya you have studied and any two other questions.

Section 'A' (40 Marks)

(Attempt all questions)

प्रश्न-1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए - (15)

(i) "प्रेम से सामाजिक तथा राष्ट्रीय संबंध बढ़ते हैं " - प्रस्तुत पंक्ति के आधार पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(ii) मनुष्य अपने अनुभव से बहुत कुछ सीखता है। अपने बचपन के दिनों की किसी ऐसी सुखद घटना का वर्णन कीजिए, जिसने आपको जीवन की नई सीख दी हो। यह सीख आपके भावी जीवन में कैसे उपयोगी सिद्ध हो सकती है, इसका विवरण दीजिए।

(iii) विद्यार्थी के जीवन में अनुशासन का क्या महत्व है ? वे एक - दूसरे के किस प्रकार पूरक हैं ? इस पर एक प्रस्ताव लिखिए।

(iv) वृक्ष प्रकृति के अनुपम उपहार हैं। ये हमारे परम मित्र हैं। वृक्षों के प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष लाभों की चर्चा करते हुए वृक्षों की कटाई के कारण एवं दुष्परिणाम तथा वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए एक प्रस्ताव लिखिए।

(v) "मन के हारे हार है , मन के जीते जीत।" उक्ति पर आधारित एक मौलिक कहानी लिखिए।

प्रश्न - 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए- (7)

(i) आप किसी स्थान विशेष की यात्रा करना चाहती हैं । उस स्थान की जानकारी प्राप्त करने के लिए, उस क्षेत्र के पर्यटन विभाग के अधिकारी को पत्र लिखकर पूछताछ कीजिए।

(ii) आपके विद्यालय में कुछ अतिथि आए थे, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी आपको सौंपी गई थी। अपनी माता जी को पत्र लिखकर बताइए कि वे अतिथि विद्यालय में क्यों आए थे और आपने उनके लिए क्या-क्या किया ?

प्रश्न- 3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए।

हमारे देश के महान संत स्वामी रामतीर्थ एक बार जापान गए। वे रेल में यात्रा कर रहे थे कि एक दिन ऐसा हुआ कि उन्हें खाने को फल न मिले और उन दिनों फल ही उनका भोजन था। गाड़ी एक स्टेशन पर ठहरी, तो वहाँ भी उन्होंने फलों की खोज की पर वे पा न सके। उनके मुँह से निकला, "जापान में शायद अच्छे फल नहीं मिलते !"

एक जापानी युवक प्लेटफ़ॉर्म पर खड़ा था। वह अपनी पत्नी को रेल में बैठाने आया था, उसने ये शब्द सुन लिए। सुनते ही वह अपनी बात बीच में ही छोड़ कर भागा और कहीं दूर से एक टोकरी ताज़े फल लाया। वे फल उसने स्वामी रामतीर्थ को भेंट करते हुए कहा, "लीजिए आपको ताज़े फलों की ज़रूरत थी।"

स्वामी जी ने समझा यह कोई फल बेचने वाला है और उनके दाम पूछे, पर उसने दाम बताने से इंकार कर दिया। बहुत आग्रह करने पर उसने कहा, "आप इनका मूल्य देना ही चाहते हैं, तो वह यह है कि आप अपने देश में जाकर किसी से यह न कहिएगा कि जापान में अच्छे फल नहीं मिलते।"

स्वामी जी युवक का यह उत्तर सुनकर मुग्ध हो गए। वे क्या मुग्ध हो गए उस युवक ने अपने इस कार्य से अपने देश क़ा गौरव जाने कितना बढ़ा दिया ! इस गौरव की ऊँचाई का अनुमान आप दूसरी घटना सुनकर पूरी तरह लगा सकेंगे। एक दूसरे देश का निवासी एक युवक जापान में शिक्षा लेने आया। एक दिन वह सरकारी पुस्तकालय से कोई पुस्तक पढ़ने को लाया। इस पुस्तक में कुछ दुर्लभ चित्र थे। ये चित्र इस युवक ने पुस्तक में से निकाल लिए और पुस्तक वापस कर आया। किसी जापानी विद्यार्थी ने वह देख लिया और पुस्तकालय को इसकी सूचना दे दी। पुलिस ने तलाशी लेकर वे चित्र उस विद्यार्थी के कमरे से बरामद किए और इस विद्यार्थी को जापान से निकाल दिया गया।

मामला यहीं तक रहता, तो कोई बात न थी। अपराधी को दंड मिलना ही चाहिए पर मामला यहीं तक नहीं रुका और उस पुस्तकालय के बाहर बोर्ड पर लिख दिया गया कि उस देश का (जिसका वह विद्यार्थी था) कोई निवासी इस पुस्तकालय में प्रवेश नहीं कर सकता। मतलब साफ़ है, एकदम साफ़ कि जहाँ एक युवक ने अपने काम से अपने देश का सिर ऊँचा किया था, वहीं एक युवक ने अपने काम से अपने देश के मस्तक पर कलंक का ऐसा टीका लगाया, जो जाने कितने वर्षों तक संसार की आँखों में उसे लांछित करता रहा।

मैंने जो कुछ जीवन में अध्ययन और अनुभव से सीखा है, वह यही है कि महत्व किसी कार्य की विशालता में नहीं है, उस कार्य के करने की भावना में है। बड़े - से - बड़ा कार्य हीन है, यदि उसके पीछे अच्छी भावना नहीं है और छोटे - से - छोटा कार्य भी महान है, यदि उसके पीछे अच्छी भावना है।

(i) जापान कौन गया ? उनके साथ वहाँ क्या घटना घटी ? (2)

(ii) युवक ने फलों के दाम के बदले क्या आग्रह किया ? इससे उसकी किस विशेषता का पता चलता है ? (2)

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

(iii) पुस्तकालय वाली घटना क्या थी ? इस घटना से क्या संदेश मिलता है ? (2)

(iv) पुस्तकालय वाली घटना का क्या परिणाम हुआ ? (2)

(v) लेखक ने जीवन में अध्ययन और अनुभव से क्या सीखा ? (2)

प्रश्न 4. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए- (8)

(i) 'कृत्रिम' शब्द का विलोम लिखिए -

(a) नश्वर (b) शाश्वत

(c) घरेलू (d) प्राकृत

(ii) 'आनंद' शब्द का पर्यायवाची लिखिए -

(a) दुख (b) वियोग

(c) हर्ष (d) कष्ट

(iii) 'नेता' का भाववाचक संज्ञा बताइए-

(a) प्रजा (b) व्यक्ति

(c) नेतृत्व (d) व्यक्तित्व

(iv) 'अपेक्षा' का विशेषण बताइए-

(a) उपदेश (b) उपेक्षा

(c) अपेक्षित (d) उपेक्षित

(v) 'परीस्थती' का शुद्ध रूप बताइए-

(a) परिस्थति (b) परिस्थिति

(c) परिश्थति (d) परिश्थिति

(vi) ' हाथ मलना ' मुहावरे से सही वाक्य का चुनाव करें -

(a) समय निकल जाने पर किसान हाथ मलते रह गया। (b) किसान का हाथ गंदा था।

(c) हाथ गंदा है तो मलना ही था। (d) जब तक हाथ साफ़ न हो मलते रहो।

(vii) निर्देशानुसार उचित वाक्य बनाइए-

महाराणा प्रताप के साहस की <u>तुलना नहीं की जा सकती है।</u>

(रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिए।)

(a) महाराणा प्रताप की तुलना नहीं की जा सकती। (b) महाराणा प्रताप अतुलनीय है।

(c) महाराणा प्रताप का साहस अतुल्य है। (d) महाराणा प्रताप का साहस अतुलनीय है।

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

(viii) रात में सर्दी बढ़ जाएगी । (अपूर्ण वर्तमान काल में बदलिए।)

(a) रात होते ही सर्दी बढ़ जाएगी। (b) रात होते ही सर्दी बढ़ जाती है।

(c) रात में सर्दी बढ़ रही है। (d) रात में सर्दी बढ़ जाती थी।

Section 'B' (40 Marks)

(Attempt any four questions)

साहित्य सागर (गद्य-भाग)

प्रश्न 5. निम्नलिखित गद्यांशो को पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फ़ौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो.....' वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी।

नेताजी का चश्मा

लेखक- स्वयं प्रकाश

(i) मूर्ति किसकी थी और वह कहाँ लगाई गई थी ? (2)

(ii) यह मूर्ति किसने बनाई और इसकी क्या विशेषताएँ थीं ? (2)

(iii) मूर्ति में क्या कमी थी ? उस कमी को कौन पूरा करता था और कैसे ? (3)

(iv) नेताजी का परिचय देते हुए बताइए कि चौराहे पर उनकी मूर्ति लगाने का क्या उद्देश्य रहा होगा ? क्या उस उद्देश्य में सफलता प्राप्त हुई ? स्पष्ट कीजिए। (3)

प्रश्न 6. "बड़े भोले हैं आप सरकार ! अरे मालिक, रूप रंग बदल देने से तो सुना है आदमी तक बदल जाते हैं। फिर ये तो सियार हैं।"

भेड़ें और भेड़िए

लेखक- हरिशंकर परसाई

(i) उपर्युक्त कथन कौन, किससे और क्यों कह रहा है ? (2)

(ii) बूढ़े सियार ने भेड़िए का रूप किस प्रकार बदला ? (2)

(iii) यह कैसी कहानी है, बूढ़े सियार ने किन बातों का ख्याल रखने के लिए कहा और क्यों? (3)

(iv) सियारों को किन - किन रंगों में रँगा गया ? वे किसके प्रतीक थे ? इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है ? (3)

प्रश्न 7. विदेश में उसके चित्रों की धूम मच गई। भिखारिन और दो अनाथ बच्चों के उस चित्र की प्रशंसा में तो अख़बारों के कॉलम-के-कॉलम भर गए। शोहरत के ऊँचे कगार पर बैठे, चित्रा जैसे अपना पिछला सब कुछ भूल गई।

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

दो कलाकार

लेखक- मन्नू भंडारी

(i) 'उसके चित्रों ' से क्या तात्पर्य है? समझाइए। (2)

(ii) चित्रा कौन थी ? उसके चित्र की मुख्य विशेषता को बताइए। (2)

(iii) अरुणा कौन थी ? जब उसे भिखारिन वाली घटना का पता चला तो उस पर क्या प्रभाव पड़ा और उसने क्या किया ? (3)

(iv) चित्रकारिता और समाज सेवा में आप किसे उपयोगी मानते हैं और क्यों ? कहानी के माध्यम से समझाइए। (3)

साहित्य सागर (पद्य-भाग)

प्रश्न 8 . " मैया मेरी, चंद्र खिलौना लैहौं ।

धौरी को पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुथैहौं।

मोतिन माल न धरिहौं उर पर, झुंगली कंठ न लैहौं।

जैहौं लोट अबहिं धरनी पर, तेरी गोद न ऐहौं ।।

लाल कहैहौं नंद बाबा को,तेरो सुत न कहैहौं ।।"

सूर के पद

कवि- सूरदास

(i) प्रस्तुत पद में कौन अपनी माता से ज़िद कर रहे हैं? वे क्या प्राप्त करना चाहते हैं ? (2)

(ii) उनकी माता कौन हैं ? वे अपने पुत्र को देखकर कैसा अनुभव कर रही हैं ? स्पष्ट कीजिए। (2)

(iii) खिलौना न मिलने की स्थिति में बालकृष्ण अपनी माँ को क्या-क्या धमकियाँ दे रहे हैं ? स्पष्ट कीजिए। (3)

(iv) रूठे हुए बालक को बहलाने के लिए माँ क्या कहती है ? बालक पर उसका क्या प्रभाव पड़ता है ? सूरदास जी की भक्ति भावना का परिचय देते हुए समझाइए। (3)

प्रश्न 9 इस विशद विश्व - प्रवाह में

किसको नहीं बहना पड़ा

सुख - दुख हमारी ही तरह

किसको नहीं सहना पड़ा।

फिर व्यर्थ क्यों कहता फिरूँ मुझ पर विधाता वाम है।

चलना हमारा काम है।

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE

चलना हमारा काम है

कवि- शिवमंगल सिंह 'सुमन'

(i) कवि ने मनुष्य के जीवन के बारे में क्या कहा है तथा क्यों ? (2)

(ii) कवि के अनुसार जीवन का महत्व किसमें है? स्पष्ट कीजिए। (2)

(iii) जीवन में सुख - दुःख और आशा - निराशा के प्रति हमारा क्या दृष्टिकोण होना चाहिए ? अपने दुःखों और निराशा के लिए हमें किसको दोष देना उचित नहीं है तथा क्यों ? समझाकर लिखिए। (3)

(iv) प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि ने पाठकों को क्या संदेश दिया है ? (3)

प्रश्न 10 सुनूँगी माता की आवाज़

रहूँगी मरने को तैयार।

कभी भी उस वेदी पर देव,

न होने दूँगी अत्याचार।।

न होने दूँगी अत्याचार

चलो, मैं हो जाऊँ बलिदान।

मातृ-मंदिर में हुई पुकार,

चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।

मातृ मंदिर की ओर

कवयित्री - सुभद्रा कुमारी चौहान

(i) 'मातृ-मंदिर' से क्या तात्पर्य है ? वहाँ से कवयित्री को क्या पुकार सुनाई दे रही है ? (2)

(ii) कवयित्री अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए क्या करने को तैयार है और क्यों ? (2)

(iii) मंदिर तक पहुँचने के मार्ग में कवयित्री को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है ? (3)

(iv) प्रस्तुत पद्यांश में कवयित्री की किस भावना को दर्शाया गया है ? वह इस कविता के माध्यम से पाठकों को क्या संदेश देना चाहती है ? (3)

END

Python Robotics & AI
JAVA Comp. Applications
Experts' Institute 8-D, Kutchery Road. Ph:9415368884
EXPERTS' INSTITUTE